म.प्र. राज्य बीज प्रमाणीकरण संस्था की कार्यप्रणाली के अनुसार बीज उपचार के लिए सिफारिश की गई अनुसूची

फसल	रसायन का नाम और इसका संरूपण	रसायन की मात्रा (ग्राम)	उपचार का प्रकार	पानी की मात्रा (लि.)
खाद्यान्न				
मक्का	थायरम 75% डब्लू.डी.पी.या	70	गा.	1/2
	कैप्टान 75% डब्लू डी.पी.	70	गा	1/2
धान	थायरम 75% डब्लू.पी या	250	गा	1/2
	कार्बे ण्डेजिम 50%	250	गा	1/2
	सिरेसन (एम.ई.एम.सी.) या ई.एम.सी. या	60	गा.	बीज डुबोने के लिये
	ऑर्गे नो–मर्क्यूरियल 1%	250	सू.	–
पर्ल मिलेट	थायरम 75% डब्लू.डी.पी. या	75	गा	1/2
बाजरा	थायरम 75% धूल या	300	सू.	–
	कैप्टान 75% धूल	300	सू.	–
	मैटलैक्सिल 35% डब्लू. एस.	600	गा.	–
	ऑर्गे नो–मर्क्यूरियल 1%	250	सू.	–
	ब्राइन	बीज को पूरी	तरह डुबाने	के लिए घोल
ज्वार	थायरम 75% या	85	गा.	1/2
	कैप्टाफॉल	200	गा.	1/2
गेंहू	थायरम 75% डब्लू.डी.पी.या	100	गा.	1/2
	मनकॉजेब	200	गा.	1/2
	ऑर्गेनो–र्मक्यूरियल 1%	250	सू.	–
	कार्बोक्सिन 75% डब्लू डी.पी या	250	सू.	–
		250	गा.	1/2
	कार्बेण्डेजिम 50% डब्लू.पी	250	सू.	1/2
दलहन				
चना	कैप्टाफॉल	250	गा.	1/2

फसल	रसायन का नाम और इसका संरुपण	रसायन की मात्रा (ग्राम)	उपचार का प्रकार	पानी की मात्रा (लि.)
उडद	थायरम 75% धूल या कार्बे ण्डेजिम 50% डब्लू.पी.	250 100	सू. गा.	– 1/2
लोबिया	कैप्टान 75% डब्लू.डी.पी या थायरम 75% धूल	100 250	गा. सू.	1/2 –
मूंग	थायरम 75% डब्लू.डी.पी या कैप्टाफॉल कार्बे ण्डेजिम 50% डब्ल्यू.पी.	75 250 100	गा. सू. सू.	1/2 – –
अरहर	थायरम 75% डब्ल्यू. डी.पी.	175	गा.	1/2
तिलहन मूँगफली	कैप्टान 75% धूल या थायरम 75% डब्ल्यू डी.पी. कैप्टाफाल	250 125 200	सू. गा. सू.	– 1/2 –
रेपसीड एवं सरसो	कैप्टान 75% धूल या थायरम 75% डब्ल्यू डी.पी. कैप्टाफाल	250 125 200	सू. गा. सू.	– 1/2 –
सोयाबीन	कैप्टान 75% धूल और थायरम 75% धूल या मनकॉजेब या कैप्टाफाल धूल	150 150 300 300	सू. – – सू.	– – – –
तिल	थायरम 75% धूल	300	सू.	–
सुरजमूखी	थायरम 75% धूल या मनकॉजेब	250 250	सू. सू.	– –
रेशेवाली फसलें कपास	कैप्टान 75% धूल या थायरम 75% डब्ल्यू.डी.पी. ई.एस.सी.एम.ई एम.सी	250 100 0.2% (घोल में बीज को 6 घंटे तक भिगोयें)	सू. गा.	– 1/2

फसल	रसायन का नाम और इसका संरुपण	रसायन की मात्रा (ग्राम)	उपचार का प्रकार	पानी की मात्रा (लि.)
जूट	कैप्टान 75% डब्ल्यू. डी. पी. या कार्बेन्डेजिम 50% डब्ल्यू. पी.	80 200	गा सू.	1/2 –
मेस्ता सनई	कैप्टान थायरम 75% डब्ल्यू डी.पी.	250 75	सू. गा.	– 1/2
चारे वाली फसलें बरसींम	कवकनाशी/ कीटनाशी से उपचार न करें			
रिजका	थायरम 75% डब्ल्यू. डी.पी.	75	गा	1/2
जई	थायरम 75% डब्ल्यू. डी.पी.	75	गा	1/2
सब्जियाँ फलीदार	कैप्टान 75% डब्ल्यू. डी.पी. या थायरम 75% धूल	100 250	गा सू.	1/2 –
चुकंदर	थायरम 75% डब्ल्यू. धूल	250	सू.	–
भिंडी	थायरम 75% डब्ल्यू. डी.पी. या कैप्टान 75% धूल	100 250	गा सू.	1/2 –
बैंगन	थायरम 75% धूल या कैप्टान 75% धूल	250 250	सू. सू.	– –
गाजर	थायरम 75% धूल	250	सू.	–
गोभीवर्गीय	थायरम 75% धूल	250	सू.	–
मिर्च व शिमला मिर्च	थायरम 75% धूल या थायरम 75% धूल	250 250	सू. सू.	– –
ग्वार	थायरम 75% डब्ल्यू डी.पी.	75	गा.	1/2
लोबिया	कैप्टान 75% डब्ल्यू.डी.पी. या थायरम 75% धूल	100 250	गा. सू.	1/2 –
खीरा वर्गीय	थायरम 75% धूल या कैप्टन 75% धूल	250 250	सू. सू.	– –

फसल	रसायन का नाम और इसका संरुपण	रसायन की मात्रा (ग्राम)	उपचार का प्रकार	पानी की मात्रा (लि.)
प्याज	थायरम 75% धूल	250	सू.	–
पालक	थायरम 75% धूल	335	सू.	–
मटर	कैप्टान 75% डब्ल्यू. डी. पी. या थायरम 75% धूल	100 250	गा. सू.	1/2 –
मूली	थायरम 75% धूल	250	सू.	–
चुकन्दर चीनी वाली	थायरम 75% धूल या कार्बोक्सिन 75 डब्ल्यू डी.पी. या कार्बेण्डेजिम50 डब्ल्यू.पी.	250	सू.	–
टमाटर	थायरम 75% धूल	335	सू.	–
शलगम	थायरम 75% धूल	250	सू.	–

टिप्पणी

1. कालम 2 में बताई दवाइयां वरीयता/प्राथमिकता के क्रम में दी गई है.
2. सू. गा. और गी. से तात्पर्य क्रमश: सूखा, बुरकना गारा बनाकर तथा गीला करके बीज उपचार करने से है.
3. सब्जियों के बीजों के उपचार के लिए उपर कालम में 2 वर्णित दवाईयों के न होने पर निम्नलिखित वैकल्पिक दवाईयों की सिफारिश की गई हैं.

दवाई का नाम	100 कि.ग्रा. बीज के लिए मात्रा ग्राम में	उपचार की विधी
कैप्टाफॉल	250	सूखा बुरक कर
मैनकॉजेब	250	सूखा बुरक कर

4. काबर्न–परायुक्त कवकनाशी को सूखा बुरककर बीज का उपचार करने के लिए बीज को थैल/बोरियों में भरने से पूर्व उसका उपचार न करके दवाई की सिफारिश की गई मात्रा प्लास्टिक/कागज के पैकट में भरकर बीज के थैले/बोरी में रख देनी चाहिए तथा किसानों की जानकारी के लिए उसमें यह सूचना लिख देनी चाहिए। "बुवाई से पूर्व थैले/बोरी में रखे बीज को पैकेट में रखी दवाई से बीज उपचार करने वाले ड्रम में उपचारित करें लेकिन यह उपचार किसी भी दशा में बुवाई की तिथि से अधिक पहले न करें'.
5. यदि खेत में प्रमाणी करण के निर्धारित मानक से अधिक संख्या में दाने कंडे रोग से ग्रस्त पाए जाएं तभी बीज का उपचार करे.
6. यदि खेत में अर्गट रोग प्रमाणीकरण के निर्धारित मानक के अन्दर ही हो तो बीज का उपचार करें। निर्धारित मानक से अधिक अर्गट रोग वाले खेत की फसल अस्वीकार कर दी जाती है। ब्राइन से उपचार के संबंध में विशेष सावधानी यह रखें कि ब्राइन मिश्रण में बीज 5–10 मिनट से अधिक नहीं पडा रहना चाहिए। बीजों अर्गट स्कलेरॉटिया हटाने के बाद उस साफ पानी से बार–बार धोएं ताकि ब्राइन मिश्रण बीज के साथ न लगा रह जायें।
7. अनावृत कंड रोग का यह विशेष उपचार है। बीज पैदा करने के लिए रखे गए बीज का ही उपचार करें।
8. ई. एम. सी. – ईथाइल मरकरी क्लोराइड
   एम. ई.एम.सी. – मिथॉक्सी ईथाइल क्लोराइड